180 रुपये की बीयर 220–250 रुपये में बिकने का दावा, छोटे पैक पर भी अतिरिक्त वसूली की शिकायतें

एमआरपी सिर्फ दिखाने के लिए, शहर की शराब दुकानों पर ओवररेटिंग के आरोप, विभाग पर ही लग रहे संरक्षण के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

जिले की शराब दुकानों पर कथित ओवररेटिंग को लेकर उपभोक्ताओं में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। आरोप है कि आबकारी विभाग की निगरानी के बावजूद शराब और बीयर की बोतलें निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक कीमत पर बेची जा रही हैं। यदि ये आरोप सही हैं, तो यह केवल उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ नहीं, बल्कि नियम-कानूनों की खुलेआम अनदेखी का मामला भी हो सकता है।

स्थानीय उपभोक्ताओं के अनुसार, 180 रुपये एमआरपी वाली बीयर 220 से 250 रुपये तक बेची जा रही है। वहीं छोटे पैक, विशेषकर 90 एमएल की बोतलों पर भी 10 से 20 रुपये अतिरिक्त वसूले जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि अतिरिक्त राशि न देने पर कई बार उन्हें कथित रूप से अभद्र व्यवहार का सामना करना पड़ता है।

बिल चाहिए या शराब?

सबसे गंभीर आरोपशराब दुकानों पर सबसे गंभीर आरोप ग्राहकों को बिल न देने का है। कई उपभोक्ताओं का दावा है कि जब उन्होंने बिल मांगा तो उन्हें कथित तौर पर कहा गया—श्बिल लेना है या शराब? दोनों नहीं मिलेंगे।श्यदि यह सच है, तो सवाल उठता है कि हर दिन होने वाली बिक्री का रिकॉर्ड किस प्रकार दर्ज किया जा रहा है? आखिर ग्राहकों को उनके भुगतान का प्रमाण देने से परहेज क्यों किया जा रहा है?

बेखौफ कर्मचारी, खामोश सिस्टम

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कुछ कर्मचारी खुलेआम कहते हैं कि श्हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।श् ऐसे कथित दावों ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या कर्मचारियों को कार्रवाई का डर नहीं है? या फिर कहीं न कहीं निगरानी व्यवस्था कमजोर पड़ गई है?

अगर हर बोतल पर 20–40 रुपये ज्यादा तो हिसाब कितना बड़ा?

यदि किसी दुकान से प्रतिदिन हजारों बोतलों की बिक्री होती है और प्रत्येक बोतल पर औसतन 20 से 40 रुपये अतिरिक्त वसूले जाते हैं, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि यह राशि प्रतिदिन लाखों रुपये तक पहुंच सकती है। हालांकि, यह केवल संभावित गणना है और वास्तविक स्थिति की पुष्टि सक्षम जांच के बाद ही हो सकती है।यही कारण है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक मानी जा रही है।

नियम क्या कहते हैं?

उपभोक्ता अधिकारों और निर्धारित मूल्य व्यवस्था का उद्देश्य यही है कि ग्राहक से एमआरपी से अधिक राशि न ली जाए, जब तक कि कानून या नियम किसी विशेष परिस्थिति में इसकी अनुमति न देते हों। इसी प्रकार, वैध बिक्री का रिकॉर्ड और आवश्यक दस्तावेज भी नियमों के अनुरूप बनाए रखना अपेक्षित होता है।यदि किसी स्तर पर इन नियमों का उल्लंघन हो रहा है, तो संबंधित विभाग द्वारा जांच और आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है।

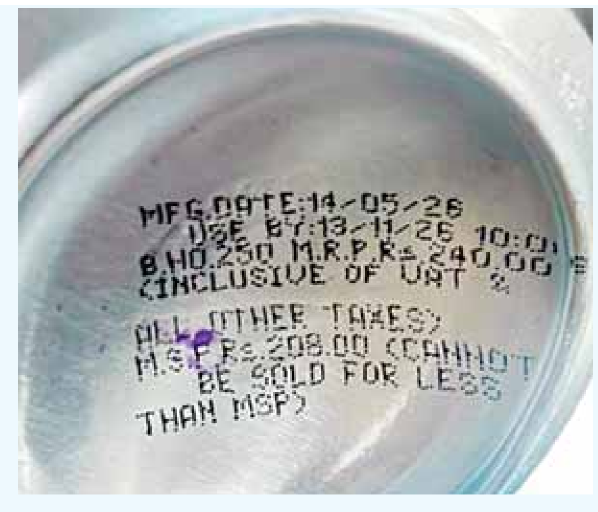

जनता के सवाल, जिनका जवाब जरूरी

आखिर एमआरपी से अधिक कीमत किस आधार पर वसूली जा रही है?- ग्राहकों को बिल देने में कथित तौर पर आनाकानी क्यों की जा रही है?- शिकायतों के बाद भी प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई दे रही?- क्या विभागीय निरीक्षण पर्याप्त और नियमित हैं?- यदि सब कुछ नियमों के अनुसार है, तो इतनी बड़ी संख्या में शिकायतें क्यों सामने आ रही हैं?

अब नजर प्रशासन पर

अब यह मामला केवल उपभोक्ताओं की शिकायत तक सीमित नहीं रह गया है। आम लोगों की अपेक्षा है कि जिला प्रशासन और आबकारी विभाग पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाएं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, और यदि आरोप गलत हैं तो तथ्यों के साथ स्थिति स्पष्ट की जाए।तेजतर्रार इस पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है। यदि किसी उपभोक्ता के पास ओवररेटिंग, बिल न देने या अन्य अनियमितताओं से जुड़े फोटो, वीडियो, बिल या अन्य साक्ष्य हैं, तो उनका पक्ष भी प्रकाशित किया जाएगा। साथ ही संबंधित शराब दुकान संचालकों और आबकारी विभाग का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

जन जागरूकता से ही सिकलसेल पर हो सकता है नियंत्रण : सांसद साहू

सांसद ने सिकलसेल नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टरों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

जन जागरूकता से ही सिकलसेल की बीमारी को बढ़ने और फैलने से रोका जा सकता है। जिस तरह हम शादी के पूर्व कुण्डली का मिलान करते है ठीक उसी तरह हमें सिकलसेल का टेस्ट भी करना चाहिए। क्योंकि सिकलसेल प्रभावित माता-पिता के कारण बच्चों में भी सिकलसेल की बीमारी आ जाती है। यह बात सांसद बंटी विवेक साहू ने पूजा लॉज छिन्दवाड़ा में होम्योपैथिक वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा आयोजित सिकलसेल रोगियों के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान सांसद श्री साहू ने सिकलसेल की रोकथाम में विशेष योगदान देने वाले डॉक्टरों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने कहा कि होम्योपैथी के

इलाज से सिकलसेल मरीजों को काफी लाभ हो रहा हैं। पिछले दिनों आयोजित हुए 100 दिवसीय स्वास्थ्य शिविरों के दौरान भी सिकलसेल मरीजों को चिन्हीत करते हुए उनका होम्योपैथीक पद्धति से इलाज कराया गया था। उन्होंने कहा कि होम्योपैथिक वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा सिकलसेल की रोकथाम में किए जा रहे प्रयास सराहनीय है। कार्यक्रम को महापौर विक्रम अहके ने भी संबोधित किया। उल्लेखनीय है कि 30 जून को पूजा लॉज छिंदवाड़ा में सिकल सेल मरीजों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाते हुए सिकलसेल मरीजों का उपचार करने के साथ ही उन्हें होम्योपैथिक दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

होम्योपैथिक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर सपना साहू ने बताया कि समस्त संगठनों तथा आयुष विभाग के डॉक्टरों के द्वारा प्रत्येक सिकलसेल मरीज का परीक्षण कर उनके लक्षणों के आधार पर दवाइयां प्रदान की गई।

सीड वॉल प्रदर्शनी, जन प्रतिनिधियों ने की सराहना

छिन्दवाड़ा। जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर सोमवार को नगर विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा निर्मित सीड वॉल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का अवलोकन जिले के सांसद विवेक बंटी साहू, शेषराव यादव एवं कलेक्टर हरेंद्र नारायन, जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार तथा नगर निगम आयुक्त सी.पी.राय सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने किया। प्रदर्शनी में समिति द्वारा तैयार किए गए सीड वॉल की जानकारी प्रस्तुत की गई। अतिथियों ने समिति के इस नवाचार की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता की दिशा में इसे सराहनीय पहल बताया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन आदि मौजूद रहे।

जिले ने 132 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल कर रचा कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं और महत्वाकांक्षाओं के चलते प्रकृति का जिस तरह से दोहन किया है, उसी से आज वर्षा की अनिश्चितता और पेयजल संकट की स्थिति निर्मित हो रही है। हम सभी को अब चेतने की अवश्यकता है। हम सभी को पर्यावरण और जल संरक्षण में अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है। हर कोई दूसरों पर आसानी से दोषारोपण कर देता है, लेकिन आज समय हम सभी को आत्ममंथन करके यह देखने का है कि हमने अभी तक जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए क्या-क्या किया है। यह बात सांसद बंटी विवेक साहू ने शासकीय राजमाता सिंधिया महिला महाविद्यालय छिंदवाड़ा के सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की भी उतनी ही जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से साथ मिलकर भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अभी से जल संरक्षण को लेकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की अपील की। साथ ही सभी शहरवासियों से वर्षा जल संचयन के लिए अपने-अपने घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से लगवाने का आह्वान किया।

सांसद आज से पदयात्रा के दौरान रौपेंगे 10 हजार पंचतत्व सीड बॉल

छिन्दवाड़ा। जिले सहित प्रदेश में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक वन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में नगर निगम एवं स्व सहायता समूह के द्वारा सांसद बंटी विवेक साहू को 10 हजार पंचतत्व सीड बॉल सौंपे गए। उल्लेखनीय है कि सांसद बंटी विवेक साहू 1 जुलाई से 14 जुलाई तक छिन्दवाड़ा से मैहर तक की पदयात्रा पर रहेंगे। इस दौरान सांसद श्री साहू मार्ग में नगर निगम एवं स्व सहायता समूह द्वारा दिए गए 10 हजार पंचतत्व सीड बॉल का रोपण करेंगे। नगर निगम एनयूएलम के सिटी मिशन मेनेजर उमेश प्यासी ने बताया कि पंचतत्व सीड बॉल में महुआ, जामुन, अपराजिता, सिंदूर, अमलतास एवं गुलमोहर के बीजों से पंचतत्व सीड बॉल बनाए गए है। यह बीज अंकुरित होकर छायादार एवं फलदार बनेंगे। इस अवसर पर आयशा लोधी, अलका शुक्ला, कोसिमा रजा, मोहम्मद इस्माइल कुरैशी प्रमुख रूप से मौजूद थे।

मरीज को दिलाई 50 हजार की आर्थिक मदद

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू के प्रयासों से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने एक मरीज को 50 हजार की सहायता राशि स्वीकृत की है। इस राशि से मरीज का नागपुर के अस्पताल में बेहतर ईलाज हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि गंभीर रूप से बीमार मरीज के परिजनों ने पिछले दिनों सांसद श्री साहू से मुलाकात करते हुये बीमारी के लिए आर्थिक सहायता राशि दिलाने की गुहार लगाई थी। जिसे गंभीरता से लेते हुये सांसद श्री साहू ने मुख्यमुंत्री श्री यादव को पत्र प्रेषित कर मरीज को ईलाज के लिए आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराने का निवेदन किया था। जिसके आधार पर मुख्यमंत्री श्री यादव ने उनकी स्वेच्छानुदान मद से सौंसर निवासी श्रीमती निर्मिला पति भास्कर राव मसके को ईलाज के लिए 50 हजार की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है।

बूंद-बूंद को तरसा शहर, भाषणों में बहता विकास!

कन्हरगांव डैम सूखा तो खुली निगम की पोल, टैंकर माफिया और भ्रष्ट कर्मचारियों के भरोसे छिंदवाड़ा की प्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

कभी विकास और बेहतर सुविधाओं के बड़े-बड़े दावे करने वाला नगर निगम आज पानी जैसे मूलभूत अधिकार पर पूरी तरह फेल नजर आ रहा है। शहर का आधे से अधिक हिस्सा बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है, महिलाएं और बुजुर्ग घंटों टैंकरों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर नेताओं, अधिकारियों और रसूखदार लोगों के यहां पानी की कोई कमी नहीं है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर टैक्स देने वाली आम जनता ही हर बार क्यों पिसती है?वर्षा की कमी के चलते कन्हरगांव डैम का जलस्तर लगातार गिर रहा है। संकट इतना बढ़ गया कि मंगलवार को महापौर विक्रम अहके, निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय, जल सभापति मनोज कुशवाहा, भाजपा नेता मनोज सक्सेना और निगम के तकनीकी अधिकारियों को स्वयं डैम पहुंचकर स्थिति का जायजा लेना पड़ा। अधिकारियों ने पॉन्टून (फ्लोटिंग) पंप के माध्यम से पानी नहर में छोड़ने का निर्णय लिया, ताकि भरतादेव फिल्टर प्लांट तक पानी पहुंचाया जा सके और शहर की जलापूर्ति किसी तरह बनी रहे।लेकिन सवाल यह है कि क्या यह संकट अचानक आया है? क्या प्रशासन को पहले से यह अंदाजा नहीं था कि वर्षा कम होने पर शहर में पेयजल संकट गहराएगा? यदि समय रहते वैकल्पिक जल स्त्रोत, पाइपलाइन सुधार, जल संरक्षण और वितरण की प्रभावी योजना बनाई जाती, तो शायद आज यह नौबत नहीं आती।

इनका कहना है

शासकीय टैंकर और पानी का व्यावसायिक उपयोग आर्थिक लेनदेन कर किया जा रहा है तो इसकी जांच की जाएगी और कार्यवाही की जाएगी।

सीपी राय,
नगर निगम आयुक्त

जनता से किए गए वादे हवा-हवाई साबित

वर्तमान महापौर विक्रम अहके कांग्रेस छोड़कर भाजपा में इस उम्मीद के साथ आए थे कि शहर के विकास को नई दिशा देंगे। लेकिन आज हालात यह हैं कि विकास के दावे तो खूब हुए, मगर जनता को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।आम नागरिकों का कहना है कि यदि निगम ने दूरदर्शिता से काम किया होता, जल संरक्षण पर समय रहते ध्यान दिया होता और वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता लाई होती, तो आज छिंदवाड़ा पानी के लिए इस तरह नहीं तड़पता।

अधिकारी और नेताओं के यहां पानी भरपूर, आम आदमी लाइन में

शहर में यह चर्चा आम है कि जहां अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के सरकारी एवं निजी आवासों पर पानी की पर्याप्त व्यवस्था बनी हुई है, वहीं आम नागरिकों को कई-कई दिनों तक पानी नसीब नहीं हो रहा। लोग निजी टैंकर खरीदने को मजबूर हैं, जबकि नगर निगम को नियमित टैक्स भी अदा कर रहे हैं।यह कैसी व्यवस्था है कि जनता टैक्स भी दे और पानी के लिए भी भटकती रहे?'

व्यवस्था की जा रही है' यही एक जवाब

जल संकट को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहे हैं। समाचार पत्रों और पोर्टलों में खबरें प्रकाशित हो रही हैं। नागरिक लगातार शिकायतें कर रहे हैं। इसके बावजूद निगम प्रशासन का एक ही जवाब है—श्व्यवस्था की जा रही है, जल्द समाधान होगा।श्लेकिन सवाल उठता है कि जब संकट सिर पर आ गया, तब समाधान खोजने का क्या अर्थ है? कहावत भी है—श्अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत।

जल संकट के बीच भ्रष्टाचार का आरोप, 500 रूपए लेकर मिठाई फैक्ट्री के संचालक को बेचा पानी

स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब जल संकट के दौरान भी निगम कर्मचारियों पर पानी बेचने के आरोप सामने आते हैं। मंगलवार को वार्ड क्रमांक 42, गुलाबरा की गली नंबर 5 और 6 के बीच स्थित एक निजी मिठाई फैक्ट्री में नगर निगम का पानी का टैंकर पहुंचने का मामला सामने आया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जलप्रदाय कर्मचारी धर्मप्रसाद यादव ने कथित रूप से 500 लेकर फैक्ट्री संचालक को हजारों लीटर पानी उपलब्ध कराया। आरोप यह भी है कि फैक्ट्री में पहले से बड़ी पानी की टंकी होने के बावजूद अतिरिक्त ड्रमों में भी पानी भरवाया गया, जबकि उसी समय आसपास के घरों में लोग पीने के पानी के लिए परेशान थे।

मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया

स्थानीय लोगों का दावा है कि पानी उपलब्ध कराने के बाद संबंधित कर्मचारी ने अपना मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ कर लिया, जिससे कोई संपर्क न कर सके। यदि यह आरोप सही हैं, तो यह केवल विभागीय लापरवाही नहीं बल्कि जनता के अधिकारों के साथ सीधा विश्वासघात है। शहर में लंबे समय से चर्चा है कि निगम के कुछ निचले स्तर के कर्मचारी छोटे-छोटे कामों के नाम पर 200 से 500 तक की अवैध वसूली करते हैं। चाहे टैंकर बुलाना हो, पानी का कनेक्शन हो या अन्य छोटे कार्य बिना लेन-देन के काम नहीं होने की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार की जड़ अक्सर यही छोटे स्तर की अनियमितताएं होती हैं। यदि इन पर समय रहते कार्रवाई हो जाए, तो व्यवस्था में काफी सुधार संभव है।

फैक्ट्रियों को पानी, जनता को इंतजार

नगर निगम द्वारा भेजे जाने वाले टैंकरों का उद्देश्य जल संकट से जूझ रहे नागरिकों को राहत देना है, न कि निजी व्यवसायों को मुफ्त पानी उपलब्ध कराना। यदि वास्तव में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निगम का पानी प्राथमिकता के आधार पर दिया जा रहा है, तो यह सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग का गंभीर मामला है।

जल गंगा संवर्धन अभियान और शहर की प्यास

एक ओर प्रशासन जल गंगा संवर्धन जैसे अभियानों का प्रचार-प्रसार कर रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर के लोग पीने के पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन निश्चित रूप से आवश्यक हैं, लेकिन जब शहर की जनता ही पानी के लिए परेशान हो, तब प्राथमिकता क्या होनी चाहिए यह सवाल भी उठ रहा है।

जांच और कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि वार्ड क्रमांक 42 में हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।यदि जलप्रदाय कर्मचारी द्वारा अवैध लेन-देन किया गया है तो उसके विरुद्ध तत्काल विभागीय कार्रवाई की जाए। जल टैंकरों की जीपीएस मॉनिटरिंग और वितरण की सार्वजनिक सूची जारी की जाए। पानी वितरण व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए। जल संकट के दौरान किसी भी प्रकार की वीआईपी या व्यावसायिक प्राथमिकता समाप्त की जाए। छिंदवाड़ा की जनता जानना चाहती है कि आखिर जल संकट का जिम्मेदार कौन है? क्या केवल कम वर्षा, या फिर वर्षों से चली आ रही प्रशासनिक लापरवाही, कमजोर योजना और वितरण व्यवस्था की खामियां? जब तक जल प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध योजना नहीं बनेगी, तब तक हर गर्मी में शहर को इसी तरह पानी के संकट और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ेगा।

कमलनाथ की पहल से पेंचवेली एक्सप्रेस में बढ़े दो अतिरिक्त कोच

8 जून को रेल मंत्री को पत्र लिखकर आवश्यकतानुसार कोच बढ़ाने किया था आग्रह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने संसदीय क्षेत्र छिन्दवाड़ा को रेल मार्ग से प्रदेश के महानगरों व जिलों के साथ ही देश की राजधानी दिल्ली से भी जोड़ा है। ट्रेनों के विस्तार और अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन परासिया, जामई व पांढुर्ना के निर्माण का श्रेय भी कमलनाथ को ही जाता है।

उन्होंने यात्रियों की असुविधा को गम्भीरता से दृष्टिगत रखते हुए रेल मंत्री को 8 जून 2026 को एक अहम पत्र लिखा था, जिसमें पेंचवेली एक्सप्रेस में आवश्यकता अनुसार कोच बढ़ाने का आग्रह किया है, ताकि यात्रियों का सफर सस्ता व सुलभ हो सके। परिणामस्वरूप पेंचवेली एक्सप्रेस ट्रेन में दो अतिरिक्त कोच बढ़ाए जा चुके हैं। कमलनाथ ने अपने अर्द्ध शासकीय पत्र क्रमांक 143 में उल्लेख किया था कि छिन्दवाड़ा-भोपाल रेल मार्ग पर संचालित पेंचवेली एक्सप्रेस इस क्षेत्र के यात्रियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं लोकप्रिय रेल सेवा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री इस ट्रेन के माध्यम से यात्रा करते हैं। विशेष रूप से छिन्दवाड़ा, नर्मदापुरम एवं भोपाल के मध्य आवागमन करने वाले यात्रियों के लिए यह ट्रेन प्रमुख साधन के रूप में स्थापित हो चुकी है। यात्रियों द्वारा इस ट्रेन में अतिरिक्त कोच लगाए जाने की मांग की जाती रही थी। विगत माह में अधिकांश समय आरक्षण हेतु लंबी प्रतीक्षा सूची बनी थी, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। अवकाश व त्योहार के दौरान निर्मित होने वाली चुनौतीपूर्ण स्थितियों से भी माननीय कमलनाथ जी ने रेल मंत्री को अवगत कराया था। उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया था कि मेरे संज्ञान में आया है कि इस ट्रेन में एसी कोच की संख्या यात्रियों की मांग की तुलना में पर्याप्त नहीं है, साथ ही स्लीपर श्रेणी में भी अतिरिक्त क्षमता की आवश्यकता है। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त एसी कोच तथा अतिरिक्त स्लीपर कोच उपलब्ध कराने से बड़ी संख्या में यात्रियों को राहत मिलेगी साथ ही रेल यात्रा अधिक सुविधाजनक बन सकेगी।

वास्तु पार्क कॉलोनी वासियों ने नगरपालिका प्रशासन पर जताया गुस्सा

बारिश से किसानों के चेहरे खिले, बदहाल सड़कों ने बढ़ाई आमजन की मुश्किलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

मंगलवार की सुबह से ही सौसर में शुरू हुई झमाझम बारिश ने एक ओर जहाँ लंबे समय से उमस और गर्मी से परेशान शहरवासियों को बड़ी राहत दी है, वहीं दूसरी ओर यह बारिश किसानों के लिए 'अमृत' साबित हुई है। लंबे समय से अच्छी बारिश की बाट जोह रहे किसानों के लिए यह वर्षा उनकी फसलों के लिए संजीवनी बनकर आई है।

लंबे समय के बाद में बारिश के कारण किसानों के चेहरे पर हंसी और खुशी नजर आई है। बारिश का एक पहलू जलभराव के रूप में भी सामने आया। छिंदवाड़ा मार्ग स्थित रेलवे अंडरपास में पानी भर जाने से आवागमन बुरी तरह बाधित हो गया।

और यह कोई पहली बार नहीं हुआ है इसके पहले भी कई बार जब भी बारिश होती है तो यहां के अंडरपास में पानी भर जाता है जिसके चलते घंटे आवागमन करने वाले दो पहिया वाहन चला को एवं नगर वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।सूचना मिलने पर वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद प्रशांत ठाकरे ने तत्परता दिखाते हुए नगर पालिका की सफाई टीम के साथ मौके पर पहुँचकर जल निकासी की व्यवस्था की, जिससे लोगों को राहत मिली। वहीं, पधराखेड़ी-मोहगांव मार्ग पर तेज हवाओं के कारण एक पेड़ सड़क और बिजली के बिजली डीपी पर गिर गया, जिससे यातायात ठप हो गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी, और संबंधित विभाग के अधिकारियों को बिजली डीपी के अलावा पेड़ गिरने की सूचना देने के बावजूद भी लंबे समय तक व्यवस्था बनाने में अधिकारी नजर नही आये।

एक तरफ जहाँ बारिश का आनंद लिया जा रहा है, वहीं नगर के वार्ड क्रमांक 15 स्थित संजय नगर और वास्तु पार्क कॉलोनी के निवासी बदहाल सड़कों के कारण नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। वास्तु पार्क कॉलोनी की सड़कें गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। सड़कों पर बिखरी गिट्टी के कारण आए दिन लोग फिसलकर चोटिल हो रहे हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार छिंदवाड़ा नगर

-:: न्यायालय तहसीलदार छिन्दवाड़ा ::-

-: ईश्तहार :-

रा0प्र0क्रं0 /अ-19(3)/2026-2027

मौजा-इमलीखेड़ा प0ह0नं0 16

चूंकि आवेदक आयुक्त, नगरपालिका निगम छिन्दवाडा तह0 व जिला छिन्दवाडा द्वारा कलेक्टर महोदय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर मौजा इमलीखेडा तह. व छिन्दवाडा नगर जिला छिन्दवाडा स्थित शासकीय भूमि ख0 नं0 65/1 रकबा 8.766 हे0 में से रकबा 0.739 हे0 भूमि हॉकर्स जोन निर्माण हेतु हस्तांतरित किये जाने का अनुरोध किया है जिसकी जांच हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा प्राप्त हुआ है। एतद् द्वारा उक्त सम्पत्ति पर हित रखने अथवा दावा रखने वाले तभी व्यक्तियों को इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि, यदि उक्त आवेदन पर उन्हें कोई आपत्ति हो या दावा हो तो स्वयं या किसी अधिकृत अधिवक्ता अथवा मान्य अभिकर्ता के उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत इस न्यायालय में पेशी दिनांक 14.07.2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि तथा स्थान पर उपस्थित नहीं हो पाने की अथवा दावा आपत्ति प्रस्तुत नहीं कर पाने दशा में अथवा पश्चात में प्राप्त होने वाले किसी भी दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर मय न्यायालय की पदमुद्रा के जारी किया गया।

पदमुद्रा

तहसीलदार
छिन्दवाड़ा नगर

एई नरेंद्र का प्रशासनिक आधार पर तबादला, सीधी किए गए पदस्थ

बिजली विभाग में मचा हड़कंप, आदेश के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लेते हुए जुन्नारदेव में पदस्थ सहायक अभियंता (एई) नरेंद्र चौधरी(ई-1620150) का प्रशासनिक आधार पर तबादला कर दिया है। मुख्य महाप्रबंधक सम्पदा सराफ (मा.सं.एंव प्रशा.) द्वारा 25 जून 2026 को जारी आदेश क्रमांक 3018 के अनुसार उन्हें तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त करते हुए अधीक्षण अभियंता (संवर्ग), सीधी के प्रशासनिक नियंत्रण में पदस्थ किया गया है। आदेश प्रबंध संचालक की स्वीकृति के बाद जारी किया गया है।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड
ब्लॉक नं. 07, शक्ति भवन, रामपुर, जबलपुर

क्रमांक प्र.सं./पूक्षे./मुमप्र(मा.संएंवप्र.)/स्था.VI/3018 जबलपुर, दिनांक 25.06.26

आदेश

श्री नरेन्द्र चौधरी, सहायक अभियंता (कर्मचारी संख्या-ई1620150) ... जुन्नारदेव को प्रशासनिक आधार पर तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर कार्यमुक्त करते हुये अधीक्षण अभियंता (संचा.संधा.) ... सीधी के प्रशासनिक नियंत्रण में पदस्थ किया जाता है।

(प्रबंध संचालक द्वारा अनुमोदित)

(सम्पदा सराफ)
मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.)

क्रमांक प्र.सं./पूक्षे./मुमप्र(मा.संएंवप्र.)/स्था.VI/3019 जबलपुर, दिनांक 25.06.26
प्रतिलिपि -

कार्यप्रणाली को लेकर लगातार उठते रहे सवाल

जुन्नारदेव में पदस्थापना के दौरान नरेंद्र चौधरी कई बार अपनी कार्यप्रणाली को लेकर सुर्खियों में रहे। बिजली उपभोक्ताओं ने समय-समय पर अनियमित बिजली आपूर्ति, बिलिंग संबंधी शिकायतों और विभागीय व्यवहार को लेकर नाराजगी जताई थी। कई मामलों में स्थानीय स्तर पर विरोध के स्वर भी सामने आए थे। ऐसे में उनके अचानक हुए प्रशासनिक तबादले ने पूरे क्षेत्र में चर्चाओं को और तेज कर दिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एई के कार्यकाल में कुछ ठेकेदारों को विभागीय नियमों से हटकर कार्य करने की खुली छूट मिलने की चर्चाएं रहीं। वहीं कई पंचायतों में बिजली चोरी के मामले भी सामने आए। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि शिकायतें बढ़ने के बाद विभाग द्वारा बिजली चोरी के प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई, लेकिन तब तक मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में पहुंच चुका था।' हालांकि विभागीय आदेश में स्थानांतरण का कारण केवल ₹प्रशासनिक आधार₹बताया गया है, लेकिन विभागीय और स्थानीय गलियारों में यह चर्चा है कि मुख्यालय स्तर से आई एक कड़ी टिप्पणी (A+ टीप) के बाद यह कार्रवाई हुई। हालांकि इस संबंध में विभाग की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

नए एई की नियुक्ति का इंतजार

फिलहाल विभाग ने जुन्नारदेव में नए सहायक अभियंता की पदस्थापना को लेकर कोई आदेश जारी नहीं किया है। ऐसे में उपभोक्ताओं और विभागीय कर्मचारियों की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्षेत्र की जिम्मेदारी किस अधिकारी को सौंपी जाएगी।

सबसे बड़ा सवाल

जुन्नारदेव में लंबे समय से बिजली व्यवस्था, उपभोक्ताओं की शिकायतों और विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में प्रशासनिक आधार पर हुए इस तबादले के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या नए अधिकारी के आने से व्यवस्था में सुधार होगा और उपभोक्ताओं की समस्याओं का स्थायी समाधान निकल पाएगा।

एई नरेंद्र चौधरी के पूरे कार्यकाल की विभागीय जांच की उठी मांग

जुन्नारदेव में पदस्थ रहे सहायक अभियंता (एई) नरेंद्र चौधरी के प्रशासनिक आधार पर हुए तबादले के बाद अब उनके पूरे कार्यकाल की विभागीय जांच की मांग उठने लगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनकी पदस्थापना से लेकर स्थानांतरण तक कराए गए सभी विभागीय कार्यों, प्रशासनिक निर्णयों और वित्तीय मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। मांग करने वालों का कहना है कि यदि पूरे कार्यकाल की विस्तृत जांच कराई जाती है, तो कार्यों के निष्पादन, नियमों के पालन और कथित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी। उनका मानना है कि जांच से यह भी स्पष्ट होगा कि विभागीय कार्य निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुरूप किए गए थे या नहीं। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

30 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा के बाद मोहन धुर्वे व ओमकार पाल का सम्मान

जुन्नारदेव। नेशनल रेलवे मजदूर यूनियन शाखा जुन्नारदेव में सोमवार को सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलवे में 30 वर्षों की गौरवपूर्ण एवं सफल सेवाएं पूर्ण करने पर कामरेड मोहन धुर्वे एवं कामरेड ओमकार पाल का भावभीना सम्मान किया गया। समारोह में उपस्थित यूनियन पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को श्रीफल, शॉल, एयर बैग एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उत्कृष्ट योगदान और समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया। वक्ताओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की। सम्मान समारोह के उपरांत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नेशनल रेलवे मजदूर यूनियन शाखा परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। सभी कामरेडों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर यूनियन के के.पी. बेहरा, श्रीकांत वर्मा, एस.के. सोनी, राकेश सूर्यवंशी, आशीष सूर्यवंशी, गढ़वाल, श्री वर्मा, सुश्री दक्षणा, रंजना सहित बड़ी संख्या में यूनियन सदस्य उपस्थित रहे।

मुखर्जी चौक में साइबर सेफ क्लिक 2.0 रथ से लोगों को किया जागरूक

जुन्नारदेव। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार चलाए जा रहे साइबर सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत मंगलवार को जुन्नारदेव पुलिस ने मुखर्जी चौक में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। जिले से पहुंचे साइबर सेफ रथ के माध्यम से आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए तथा डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक जे. मसराम, उपनिरीक्षक मुकेश डोंगरे, आरक्षक नीलेश पाल, योगेश जांगले, संस्कार बघेल, महिला आरक्षक निधि बघेल, पूर्णिमा वर्मा एवं पुलिस स्टाफ ने लोगों को बताया कि डिजिटल दुनिया के विस्तार के साथ साइबर अपराधी भी नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। घर बैठे कमाई का झांसा, ऑनलाइन गेम में फ्री डायमंड और रिवॉर्ड, निवेश पर दोगुना मुनाफा, फर्जी लिंक, संदिग्ध कॉल और मोबाइल ऐप के माध्यम से होने वाली ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी गई।

थल सेना की ट्रेनिंग पूरी कर लौटे अजय का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौसर

भारतीय थल सेना में अपनी छह माह की कठिन और चुनौतीपूर्ण ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत वार्ड नंबर 15 निवासी अजय भास्कर जाधव का प्रथम बार नगर आगमन हुआ।

इस अवसर पर शिवराय संगठन सौसर के तत्वावधान में शहर वासियों के द्वारा अजय का भव्य स्वागत किया गया। एक मध्यम वर्गीय परिवार से उठकर सेना तक का सफर तय करने वाले अजय की उपलब्धि से पूरे नगर में हर्ष का माहौल है। अजय जाधव ने पुणे स्थित बी.ई.जी. सेंटर, किरकी से अपना छह माह का कठोर प्रशिक्षण पूरा किया है। सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाले अजय ने अपनी अटूट लगन और परिश्रम से यह मुकाम हासिल किया है। इस सफलता के पीछे उनके परिवार के निरंतर सहयोग के साथ-साथ राजेंद्र थवरे 'लालाजी' का विशेष मार्गदर्शन रहा है,अजय के स्वागत समारोह में भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों के संगठन 'इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन' भारत की टीम ने विशेष रूप से शिरकत की। संगठन की ओर से भोजराज राजुरकर, रत्नाकर अंबडकर, आशीष ठाकरे और राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर प्रदीप कलसकर ने अजय को उनकी इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी।

इस अवसर पर अजय के परिजन शेषराव गायकवाड़, मंगलाबाई जाधव, आकाश जाधव, विकास जाधव, प्रदीप बीघाने सहित बड़ी संख्या में शुभचिंतक और नगरवासी उपस्थित रहे।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने लंबित मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ाः- प्रोग्रेरसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला छिन्दवाड़ा के जिलाध्यक्ष विजय सिंह कुशरे की अध्यक्षता में माननीय मोहन यादव जी मुख्यमंत्री को पेंशनर की लंबित मांगों का ज्ञापन कलेक्टर छिन्दवाड़ा के माध्यम से सौंपा गया जिसमें निम्न मांगेः- . म.प्र.राज्य पुर्नगठन अधिनियम की धारा 49 (6) को अविलंब समाप्त किया जावें । अभी राज्य सरकार की घोषणा के अनुसार केशलेश बीमा की योजना लागू की जा रही है परन्तु प्रीमियम के रूप में कर्मचारियों से 1 प्रतिशत ओर पेंशनर्स से 4 प्रतिशत लेने का प्रावधान किया गया है।

नगर हित सर्वोपरिः विकास, पेयजल और सांसद पदयात्रा की तैयारियों पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चौरई

नगर पालिका परिषद चौरई में श्रीमती पुर्णिमा शरद जैन अध्यक्ष की उपस्थिति में समस्त भाजपा के पार्षद गण द्वारा एक आवश्यक बैठक शहर के विकास को लेकर और वर्षा ऋतु के दृष्टिगत पेयजल को सुचारु करने एवं विकास कार्यो को गति देने के लिए साथ ही माननीय सांसद महोदय की पद यात्रा जो की मैहर धाम तक जाना है चौरई नगर से होकर गुजरेगी स्वागत की तैयारी हेतु भी विस्तृत चर्चा की गई और मुख्य नगर पालिका अधिकारी अंकिता बर्मन से सौजन्य भेंट कर शहर की परिस्थितियों से अवगत करवाया गया समस्त कर्मचारियों को अपने कार्य के प्रति सजग रहने हेतु सख्त निर्देश दिए गए बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष पूर्णिमा जैन उपाध्यक्ष सरपत नायक सभापति गण सुरेंद्र सोनी डॉ धर्मेंद्र जैन कुलदीप उइके श्रीमती अनुसूया सोनी दीपक सरिता वर्मा एवं अर्जुन रघुवंशी पार्षद तथा नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष संजय सुकांत के साथ कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

सेवा निवृत्त हुए फायरमेन

परासिया :- नगर पालिका परासिया में 38 वर्षो तक सेवा देने के बाद फायरमेन मोहन नागवंशी सेवा निवृत्त हो गए हैं । जिन्हें साथी कर्मचारियों के द्वारा सम्मान पूर्वक विदाई दी गई । सेवा काल के दौरान उनके कार्यो , अनुभवों को सभी के साथ साझा किया गया । श्री नागवंशी ने अपने सेवा काल के दौरान साथियों और लोगों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया । सभी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनायें दीं ।

रामाकोना ग्राम पंचायत को मिला नया मुखिया, ज्योति चुनी गईं सरपंच

सौसर। विकास खंड सौसर की बहुचर्चित रामाकोना ग्राम पंचायत में चल रही लंबे समय की राजनीतिक अनिश्चितता का अंत हो गया है। सोमवार को पंचायत भवन में आयोजित कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच हुए रोमांचक चुनाव में वार्ड क्रमांक 4 की पंच ज्योति वासुदेव खंडाइत को नया स्थानापन्न सरपंच निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारियों के द्वारा प्रमाण पत्र देकर सरपंच श्रीमती खंडाइत को सम्मानित किया गया।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस चुनाव प्रक्रिया में ज्योति वासुदेव खंडाइत ने 11 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी कोकिला देवेंद्र चौधरी को 9 मतों पर ही संतोष करना पड़ा। पूर्व सरपंच को वित्तीय अनियमितताओं और गबन के गंभीर आरोपों के चलते जिला पंचायत सी.ई.ओ. द्वारा पदमुक्त किए जाने और 6 वर्षों के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। हाईकोर्ट की सख्ती और प्रशासन द्वारा मामले को गंभीरता से लेने के बाद हुई इस कार्रवाई ने पंचायत की तस्वीर बदल दी थी। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद समर्थकों ने ढोल उत्साह के साथ नई सरपंच ज्योति वासुदेव खंडाइत का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता पंचायत में रुके हुए विकास कार्यों को तत्काल गति देना और पूरी पारदर्शिता के साथ जनहित में काम करना है।इस महत्वपूर्ण चुनाव के संपन्न होने के साथ ही रामाकोना पंचायत में पिछले कई महीनों से चल रही राजनीतिक उठापटक और संशय की स्थिति पर फिलहाल विराम लग गया है।

पहली बारिश में खुली जल निकासी व्यवस्था की पोल, प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा

आमगांव रोड और साप्ताहिक बाजार में जलभराव से बढ़ी परेशानी, एसडीएम ने अधिकारियों को दिए तत्काल समाधान के निर्देश

हरिभूमि न्यूज लांजी। मानसून की शुरुआती बारिश ने ही लांजी क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी। आमगांव रोड और साप्ताहिक बाजार क्षेत्र में पानी भरने से आमजन, व्यापारियों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश लगते ही सड़कें जलमग्न नजर आईं और कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित हो गया। हालात बिगड़ते देख प्रशासनिक अमला तुरंत मैदान स्तर पर पहुंचा और समस्या का जायजा लिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत बिसोनी के सरपंच प्रतिनिधि विजय वारे, उपसरपंच पवन कश्यप, सचिव नीलेश्वर मोरघड़े सहित नगर परिषद लांजी के सीएमओ मयूर वाहने और इंजीनियर अमित नागपुरे भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान यह बात सामने आई कि ग्राम पंचायत बिसोनी और नगर परिषद लांजी की सीमाएं एक-दूसरे से सटी हुई हैं। बिसोनी का कुछ हिस्सा लांजी क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण विकास कार्यो और मूलभूत सुविधाओं के संचालन में कई बार समन्वय की समस्या उत्पन्न होती है। जल निकासी जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था में भी यही स्थिति बाधा बन रही है। एसडीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर परिषद और ग्राम पंचायत दोनों मिलकर कार्य करें, ताकि बारिश के दौरान किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो और लोगों को राहत मिल सके।

साप्ताहिक बाजार मार्ग पर स्थित पुल, जहां से लांजी क्षेत्र का पानी बाहर निकलता है, उसकी स्थिति को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। नगर परिषद सीएमओ मयूर वाहने ने पुल की मरम्मत और व्यवस्था को एक दिन के भीतर दुरुस्त करने का भरोसा दिलाया। वहीं ग्राम पंचायत बिसोनी ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल जेसीबी मशीन बुलवाई और पानी निकासी के लिए वैकल्पिक रास्ता तैयार कराया। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्रवासियों को फिलहाल राहत मिली है। स्थानीय लोगों को अब उम्मीद है कि जल्द ही इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा।

क्षेत्र के हर ग्राम में विकास करवाना हमारी पहली प्राथमिकता -प्रयास विवेक पटेल

4 करोड़ रुपयों की लागत से चल रहे गैबियल वॉल और निर्माणाधीन पुल का विधायक विवेक पटेल ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। विधायक विवेक पटेल ने ग्राम चिचोली में नदी किनारे 4 करोड़ रुपए की लागत से बन रही गैबियल वॉल का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।विधायक पटेल ने निर्माण कंपनी और ठेकेदार को निर्माण कार्य में तेजी और मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए है।जिसके बाद विधायक विवेक पटेल ग्राम पिपरिया से कोथुरना के मध्य चल रहे रहे निर्माणाधीन पुल का निर्माण कार्य देखने पहुंचे।जहा उन्होंने काम कर रहे कर्मचारियों से चर्चा की।वहीं ठेकेदार को निर्देशित किया कि ग्राम वासियों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो,पुल का निर्माण कार्य जल्द करवाने को कहा।यह दोनों ही निर्माण कार्य राजस्थान की एस एल कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किया जा रहा है।इस दौरान सब इंजीनियर नवीनता बोरकर,संदेश बिसेन,राहुल अरोरा,छत्तरसिंह माहुले,डीलेश टेंभरे,विजय आड़े,महेश लिल्हारे,ईश्वरीय बिसेन,अतुल पटले,जयराम सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि नदी किनारे बनने वाली गैबियल वॉल बनाने का उद्देश्य आस-पास की आबादी को कटाव से बचाना और जल स्तर को बढ़ने पर सुरक्षा प्रदान करना है। गैबियल वॉल नदी के बहाव को नियंत्रित कर आसपास की मिट्टी को कटने से रोकती है।नदी किनारे बने मकानों,सड़को और अन्य बुनियादी ढांचों को ढहने से सुरक्षित रखती है।बाढ़ के पानी की लहरों से धीरे-धीरे सड़क किनारे मिट्टी का कटाव हो चुका था।जिससे सड़क भी जर्जर हो चुकी थी।जिसका निर्माण कार्य भी होने वाला है।वहीं आवागमन में ग्रामीणों को कठिनाइयाँ ना हो,इसी को ध्यान में रखकर पुल निर्माण कार्य भी पूर्णता की ओर है।क्षेत्र का विकास करना ही हमारी पहली प्राथमिकता है।किसी भी पंचायतों से मेरे द्वारा भेदभाव नहीं किया जाता।ग्राम की जनता जो काम करवाने आदेश करती है।मै उन्हीं के आदेश पर कार्य करवाता हु।

महिला-बाल विकास विभाग की तत्परता से रुका बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज कटंगी। महिला एवं बाल विकास विभाग की सक्रियता से विकासखंड कटंगी मुख्यालय के समीपस्थ एक ग्राम में होने वाला बाल विवाह रुकवा दिया गया। सोमवार की शाम करीब साढ़े 06 बजे सूचना मिलते ही विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी और समझाइश दी, जिसके बाद परिवार ने विवाह स्थगित करने पर सहमति जताई। ग्राम में बाल विवाह होने की सूचना मिलते ही परियोजना अधिकारी पुष्पेंद्र रानाडे के नेतृत्व में पर्यवेक्षक श्रीमती लक्ष्मी चौधरी, श्रीमती श्रद्धा पटले, श्रीमती संगीता गोपाले और विभाग के जयप्रकाश ठाकरे तत्काल विवाह स्थल पर पहुंचे। मौके पर जांच में पाया गया कि किशोरी तथा उसके माता-पिता किसी अन्य ग्राम के रहने वाले हैं और कटंगी विकासखंड के एक गांव में आकर विवाह का आयोजन कर रहे थे। पूछताछ में परिजनों ने स्वीकार किया कि बालिका की उम्र 17 वर्ष 5 माह है। हालांकि, परिजन बालिका की आयु के संबंध में कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। विभागीय टीम ने परिवार के सदस्यों और उपस्थित ग्रामवासियों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2005 के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बाल विवाह कराना, करना या उसमें सहयोग करना कानूनी अपराध है। इसमें शामिल होने वाले व्यक्तियों को 6 माह तक की सजा और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। लगातार समझाइश के बाद परिजनों ने अपनी गलती मानी। उन्होंने आज आयोजित होने वाला विवाह स्थगित कर दिया और लिखित आश्वासन दिया कि बालिका की आयु 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही उसका विवाह किया जाएगा। परियोजना अधिकारी पुष्पेंद्र रानाडे ने कहा, ष्बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है। इससे बच्चियों का स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य खराब होता है। सभी नागरिकों से अपील है कि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तत्काल 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस थाना, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सूचित करें। विभाग तत्काल कार्रवाई करेगा।

59 मछुआरा परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट

बीसापुर के तालाब में जहर घोल गए शरारती तत्व, 1.75 लाख का मछली बीज हुआ तबाह

हरिभूमि न्यूज कटंगी। जनपद पंचायत और थाना क्षेत्र कटंगी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बीसापुर में एक सनसनीखेज घटना सामने आई। अज्ञात शरारती तत्वों ने गांव के एक तालाब में कथित तौर पर जहरीली दवा डाल दी, जिससे तालाब की हजारों मछलियां मरकर पानी की सतह पर तैरने लगीं। इस घटना से तालाब पर आश्रित 59 मछुआरा परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। जय निषादराद मछुआ समिति टेकाड़ी (म) के अध्यक्ष बाबूलाल लाड़े ने मंगलवार सुबह 11 बजे घटना की जानकारी देते हुए बताया कि समिति ने इस सीजन में करीब 1.75 लाख रुपये खर्च कर मछली बीज डाला था। जहर के कारण पूरा बीज नष्ट हो गया है। समिति ने ग्राम पंचायत सचिव को सूचना दे दी है। सचिव ने थाने में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी है, लेकिन समाचार प्रसारित होने तक थाने में इस मामले को लेकर शिकायत या एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी। बाबुलाल लाड़े ने बताया सोमवार की शाम जब वह तालाब पर नियमित देखरेख के लिए पहुंचे तो तालाब का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। पूरे तालाब में हजारों छोटी-बड़ी मछलियां मरी हुई पानी के ऊपर तैर रही थीं। तालाब से दुर्गंध आ रही थी और पानी का रंग भी बदल गया था। उन्हें संदेह है कि रात में किसी ने तालाब में जहर

डाल दिया। जिस कारण मछलियां तड़प-तड़प कर मर गई।

1.75 लाख का बीज, 59 परिवारों की आजीविका दांव पर' : जय निषादराद मछुआ समिति मत्स्य विभाग में पंजीकृत है और बीसापुर तालाब को लीज पर लेकर मत्स्य पालन करती है। समिति में 59 मछुआरे सदस्य हैं। बाबूलाल लाड़े ने बताया, हमने 1.75 लाख रुपये का रोहू, कतला सहित अन्य प्रजाति की मछली का अंगुलिका साइज का बीज डाला था। बैंक से कर्ज और घर का जेवर गिरवी रखकर पैसा लगाया था। 6 महीने बाद दिसंबर में मछली निकालकर बेचते तो हर परिवार को 25-30 हजार रुपये की आमदनी होती। अब सब बर्बाद हो गया। 59 परिवारों के 300 से ज्यादा लोगों के सामने भूखे मरने की नौबत है। समिति के सदस्यों ने कहा, हमारा तो यही एक सहारा था। खेती नहीं है, मजदूरी भी रोज नहीं मिलती। तालाब से ही बच्चों की फीस, घर का राशन चलता था। जिसने भी ये किया है, उसने हमारा गला घोंट दिया।

यह शरारत नहीं, सोची-समझी साजिश समिति का आरोप' : समिति के पदाधिकारियों का मानना है कि यह किसी शरारती तत्व की हरकत नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश है। अध्यक्ष का आरोप है कि शायद जो लोग नहीं चाहते कि मछुआरा समाज आत्मनिर्भर बने। उन्होंने ने ही यह हरकत की है। इस पूरी घटना के सामने आने के बाद समिति के पदाधिकारी सबसे पहले ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचे और सचिव को मौखिक सूचना दी। सचिव ने घटना की गंभीरता को समझा और समिति को तत्काल कटंगी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। बहरहाल, बीसापुर की यह घटना सिर्फ मछलियों की मौत का मामला नहीं है। यह 59 गरीब परिवारों की आजीविका, गांव के जल स्रोत की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

27 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा के बाद वनपाल ज्ञानीराम गोटाफोड़े सेवानिवृत्त

हरिभूमि न्यूज लांजी।

वन विभाग में अपनी कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के लिए पहचान बनाने वाले वनपाल ज्ञानीराम गोटाफोड़े 30 जून को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। लगभग 27 वर्षों तक वन विभाग में सेवा देने वाले श्री गोटाफोड़े ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न रेंजों में जिम्मेदारीपूर्वक सेवाएं देकर विभाग और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इससे पहले उन्होंने डेलीवेजिस कर्मचारी के रूप में भी 17 वर्षो तक सेवाएं प्रदान की थीं।

ज्ञानीराम गोटाफोड़े ने वर्ष 1999 से 2007 तक बैहर पश्चिम रेंज में अपनी सेवाएं दीं। इसके पश्चात वर्ष 2006 में एक वर्ष के लिए लौगुर रेंज उत्तर सामान्य में पदस्थ रहे। वर्ष 2007 से 2021 तक उन्होंने लांजी रेंज में अपनी सेवाएं दीं, जहां उनके कार्यों की व्यापक सराहना हुई। इसके बाद वर्ष 2021 से 2025 तक कटंगी रेंज में कार्यरत रहे। वर्ष 2026 में लांजी से उन्होंने अपनी शासकीय सेवा का समापन किया। अपने पूरे कार्यकाल में श्री गोटाफोड़े ने वन संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन तथा विभागीय दायित्वों के निर्वहन में उत्कृष्ट कार्य किया। उनकी कार्यशैली हमेशा अनुशासन, सादगी और जनसरोकारों से जुड़ी रही, जिसके कारण वे विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों के बीच सम्मानित रहे।

सेवानिवृत्ति के अवसर पर बालाघाट रोड स्थित नागझरी वार्ड क्रमांक 20 बिसोनी में उनके निज निवास पर भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पास-पड़ोस के लोग, रिश्तेदार, मित्रगण एवं शुभचिंतक बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने श्री गोटाफोड़े को भावभीनी विदाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजन में उपस्थित सभी अतिथियों के लिए भोजन की भी विशेष व्यवस्था की गई।

खबर संक्षेप

प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा का दौरा कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश शासन के राजस्व विभाग के मंत्री एवं सिवनी जिले के प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा 1 जुलाई 2026 को सिवनी प्रवास पर रहेंगे।
निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री श्री वर्मा 1 जुलाई को प्रातः 9:30 बजे नरसिंहपुर से सिवनी के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रभारी मंत्री श्री वर्मा मुख्यमंत्री के मुख्यातिथ्य में आयोजित होने धान महोत्सव सहित अन्य कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे तथा कार्यक्रम उपरांत वे नरसिंहपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते का दौरा कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज सिवनी। एससी-एसटी कल्याण संबंधी समिति लोकसभा सभापति एवं सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते 1 जुलाई 2026 को सिवनी प्रवास पर रहेंगे।
सांसद श्री कुलस्ते निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 12:30 बजे पॉलिटेक्निक मैदान, सिवनी पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यातिथ्य में आयोजित धान उत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम उपरांत वे स्थानीय कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम उपरांत सांसद श्री कुलस्ते शाम 05 बजे झोंतेश्वर के लिए प्रस्थान करेंगे।

महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री मनोज लारोकर के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को प्रशासक वन स्टॉप सेंटर सुश्री ईशा बाल्मिक के मार्गदर्शन एवं गूंज संस्था के संयुक्त तत्वावधान में महारानी लक्ष्मी बाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में माहवारी स्वच्छता एवं प्रबंधन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
कार्यक्रम में मुख्य वक्ता गूंज संस्था की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा चौहान ने छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित सैनिटरी पैड के उपयोग, समय-समय पर पैड बदलने, पोषणयुक्त आहार, संक्रमण से बचाव तथा सैनिटरी अपशिष्ट के सुरक्षित निस्तारण की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि माहवारी एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है और इसे लेकर किसी भी प्रकार की शर्म या संकोच नहीं होना चाहिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी उत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड छपारा के तत्वावधान में वार्ड क्रमांक 14 स्थित ऐतिहासिक प्राचीन बावड़ी में साफ-सफाई, पूजन-अर्चन एवं जनजागरूकता कार्यक्रम के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन किया गया। अभियान के तहत विगत कई दिनों से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही थीं।
कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष शिवकांत सिंह ने कहा कि जल है तो जीवन है। यदि जल का संरक्षण नहीं किया गया तो भविष्य में मानव जीवन गंभीर संकट का सामना करेगा।

खेत में मिला वयस्क भालू का शव

सिवनी के धूमा वन परिक्षेत्र अंतर्गत बरबटी ग्राम के पास सोमवार रात खेत में वयस्क भालू का शव मिला। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग का अमला तत्काल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भालू की मौत के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

जानकारी के अनुसार, सोमवार रात कुछ ग्रामीणों ने खेत में भालू को मृत अवस्था में देखा। उन्होंने तुरंत वन विभाग को सूचित किया। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी और वनकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में भालू के शरीर पर किसी स्पष्ट चोट के निशान नहीं मिले हैं। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।
वन विभाग के रेंजर आकाश परोहा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही भालू की मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।धूमा परिक्षेत्र घने जंगलों से घिरा उन्होंने कहा किसी बीमारी, करंट, विषाक्त पदार्थ के सेवन, आपसी संघर्ष या किसी अन्य वजह से मौत हुई है, यह रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। यदि कोई संदिग्ध परिस्थिति सामने आती है, तो मामले की विस्तृत जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। धूमा वन परिक्षेत्र और इसके आसपास का क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ है। यहां भालू, तेंदुआ, हिरण और जंगली सूअर जैसे कई वन्यजीव पाए जाते हैं। भोजन और पानी की तलाश में ये वन्यजीव अक्सर जंगल से निकलकर खेतों और ग्रामीण इलाकों में आ जाते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं भी होती रहती हैं।

घायल वन्यजीव दिखे तो वन विभाग को सूचना दें

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि उन्हें कोई वन्यजीव घायल, बीमार या संदिग्ध अवस्था में मिले, तो वे स्वयं उसके पास जाने या छेड़छाड़ करने से बचें। इसके बजाय, तत्काल वन विभाग को सूचित करें। अधिकारियों ने जोर दिया कि वन्यजीवों कीसुरक्षा और संरक्षण सभी की साझा जिम्मेदारी है, और समय पर सूचना मिलने से उनकी जान बचाई जा सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मुख्यातिथ्य में आयोजित होगा धान महोत्सव कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यातिथ्य में बुधवार 01 जुलाई को जिले में प्रदेश स्तरीय धान महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिले को विकास और किसान कल्याण की अनेक सौगातें देंगे। कार्यक्रम के माध्यम से कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों को प्रोत्साहन राशि का अंतरण, विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन, हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिले के कुल 494.161 करोड़ रुपये लागत के 629 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। इनमें 349.33 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 144.831 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इन परियोजनाओं से जिले में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल एवं नगरीय अधोसंरचना को नई गति मिलेगी।

सिवनी की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा सवालः 20 वर्षों से लखनादौन में सोनोग्राफी सुविधा का इंतजार

मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र लखनादौन के हजारों नागरिक आज भी एक बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा सोनोग्राफी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

विडंबना यह है कि पिछले 15-20 वर्षों से क्षेत्र की जनता केवल सोनोग्राफी सुविधा शुरू होने की बातें ही सुनती आ रही है, लेकिन आज तक यह सुविधा धरातल पर नहीं उतर सकी। सबसे अधिक परेशानी गरीब, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर मरीजों को उठानी पड़ती है। मामूली जांच के लिए उन्हें जबलपुर या नागपुर तक का सफर करना पड़ता है, जिससे समय, धन और कई बार मरीज की जान तक जोखिम में पड़ जाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि सिवनी जिले में मेडिकल कॉलेज शुरू हुए लगभग दो वर्ष हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद जिले के महत्वपूर्ण क्षेत्र लखनादौन में आज तक सोनोग्राफी जैसी आवश्यक सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी। यह स्थिति विकास के दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। कल मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सिवनी जिले के दौरे पर रहेंगे। क्षेत्र की जनता को उम्मीद है कि उनका ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर जाएगा और लखनादौन सहित आसपास के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों को शीघ्र सोनोग्राफी जैसी आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ठोस निर्णय लिया जाएगा।
यह केवल एक मशीन की मांग नहीं, बल्कि हजारों गरीब और आदिवासी परिवारों के जीवन, स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़ा प्रश्न है। अब समय आ गया है कि लखनादौन को भी स्वास्थ्य सुविधाओं का उसका अधिकार मिले।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 146 आवेदन प्राप्त

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जिलास्तरीय जनसुनवाई में कुल 146आवेदन प्राप्त हुए। आयोजित जन सुनवाई में अपर कलेक्टर श्री सीएल चनाप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।
जनसुनवाई में तहसील बरघाट अंतर्गत ग्राम दुल्हापुर निवासी महादेव नागदेवे द्वारा बिजली सप्लाई बंद होने एवं मकान क्षतिग्रस्त हो जाने विषयक, ग्राम बखारी थाना बंडोल निवासी कुंती कुर्वेती द्वारा खद्यान्न पर्ची बनाये जाने विषयक, छपारा निवासी हकीम खान द्वारा मकान का पट्टा दिलाये जाने विषयक, ग्राम भोगाखेडा निवासी उर्मिला यादव द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, तहसील धनौरा अंतर्गत ग्राम देवरी टीका निवासी इत्तु यादव गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनाये जाने विषयक, ग्राम बंघोडी सिवनी निवासी ब्रजमोहन सनोडिया द्वारा राजस्व रिकार्ड में नाम दर्ज कराये जाने विषयक, ग्राम बींझावाड़ा सिवनी निवासी दिलीप कुमार बघेल एवं अन्य द्वारा जंगली सुअर द्वारा फसली क्षतीपूर्ति दिलाये जाने विषयक, महामाया वार्ड भैरोगंज सिवनी निवासी रामकली उइके द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, तहसील कुरई अंतर्गत ग्राम मोहगांव सड़क निवासी अमिता सूर्यवंशी द्वारा समग्र आई डी में पिता का नाम सुधार किये जाने विषयक, तहसील केवलारी अंतर्गत ग्राम डुंगरिया निवासी प्रकाश राय द्वारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाये जाने विषयक, ग्राम मोहबर्रा उगली निवासी ताराचंद माहुले द्वारा सीमांकन कराये जाने विषयक, आवेदन प्रस्तुत किए गए।

जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम का समापन ग्राम सकरी में हर्ष और उल्लास से मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ केवलारी।

केवलारी जिला (सिवनी) मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जल स्त्रोत उत्सव का विकासखंड केवलारी अंतर्गत ग्राम पंचायत सकरी में गरिमामय वातावरण में समापन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन तालाब घाट एवं दुर्गा माता (खेरमाई) मंदिर प्रांगण में नवांकुर संस्था सुलोचना स्मृति निकेतन शिक्षा समिति तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सकरी के संयुक्त सहयोग से किया गया।
कार्यक्रम में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जनभागीदारी का संदेश देते हुए ग्रामीणों ने जल स्त्रोतों की सुरक्षा का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत सकरी की सरपंच श्रीमती प्रेमलता पंचेश्वर की अध्यक्षता में दीप प्रज्ज्वलन एवं मां गंगा की आरती के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में साई समिति अध्यक्ष श्री दिलीप बाहेश्वर तथा विशिष्ट अतिथियों में पूर्व सरपंच श्री संतोष पंचेश्वर, महिला भजन मंडल प्रमुख श्रीमती गीता बाई, समाजसेवी श्री दुर्गेश राव, नवांकुर संस्था के अध्यक्ष डॉ. अरविंद बिसेन,सचिव अजय नागेश्वर मेंटर्स श्री बालकराम डेहरिया एवं श्री राधेश्याम बंदेवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री अशोक बेंद्रे ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जन-जन का दायित्व है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण, तालाबों के पुनर्जीवन और सामुदायिक सहभागिता को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि यदि आज जल बचाने के लिए ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। मुख्य अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण, अधिकाधिक वृक्षारोपण, पर्यावरण संतुलन तथा सामाजिक सहभागिता पर बल दिया।
उन्होंने सभी नागरिकों से जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मेंटर्स श्री राधेश्याम बंदेवार ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, युवाओं एवं ग्रामीणों को जल संरक्षण, जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संवर्धन की सामूहिक शपथ दिलाई।
वहीं कार्यक्रम का प्रभावी एवं आकर्षक मंच संचालन श्री बालकराम डेहरिया ने किया। इस अवसर पर पुलिस विभाग से एएसआई सुमेर चंद उइके, नितिन प्रजापति, साक्षी, श्री आनंद डोंगरे, सुश्री सरोज सिरसम, साक्षी दिहारी, सोर्य बिसेन,करीना पंचेश्वर, सुरुचि पंचेश्वर (एमएसडब्ल्यू छात्रा), ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की अध्यक्ष श्रीमती राजवती पंचेश्वर, सचिव श्रीमती माधुरी मानेश्वर, समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य, नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं युवाओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने, जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जल और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है तथा यही अभियान का सबसे बड़ा उद्देश्य है।

आज मुख्यमंत्री का सिवनी आगमनः क्या कान्हीवाड़ा को मिलेगा पूर्ण तहसील का दर्जा

कान्हीवाड़ा। मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री का 1 जुलाई को सिवनी के पॉलीटेक्निक ग्राउंड में आगमन एवं कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिलेभर में राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इस बीच कान्हीवाड़ा क्षेत्र के लोगों की निगाहें भी इस दौरे पर टिकी हुई हैं। वर्षों से पूर्ण तहसील का दर्जा दिए जाने की मांग कर रहे क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि इस बार उनकी आवाज सरकार तक मजबूती से पहुंचेगी।
कान्हीवाड़ा लंबे समय से प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। बड़ी आबादी, विस्तृत ग्रामीण अंचल और लगातार बढ़ती प्रशासनिक आवश्यकताओं के बावजूद आज भी क्षेत्र के लोगों को तहसील संबंधी कार्यों के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ता है। इससे समय के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। यही कारण है कि स्थानीय नागरिक लंबे समय से कान्हीवाड़ा को पूर्ण तहसील का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं।
अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मुख्यमंत्री के सिवनी प्रवास के दौरान क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधि कान्हीवाड़ा को पूर्ण

तहसील का दर्जा दिलाने की मांग को मजबूती से मुख्यमंत्री के समक्ष रख पाएंगे। यदि यह मुद्दा प्रभावी ढंग से उठाया जाता है, तो क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग को नई दिशा और गति मिल सकती है।
मुख्यमंत्री के आगमन से पहले कान्हीवाड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों में यही चर्चा है कि क्या 1 जुलाई को पॉलीटेक्निक ग्राउंड, सिवनी से क्षेत्र के विकास से जुड़ी इस महत्वपूर्ण मांग पर कोई सकारात्मक घोषणा होगी, या फिर यह मुद्दा एक बार फिर केवल आश्वासनों और चर्चाओं तक ही सीमित रह जाएगा। अब पूरे क्षेत्र की निगाहें मुख्यमंत्री के सिवनी दौरे और जनप्रतिनिधियों की पहल पर टिकी हुई हैं।

भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

सिवनी./ जिले के भूतपूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं एवं आश्रितों के लिए सोमवार को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, सिवनी में ईसीएचएस पॉलीक्लीनिक टाइप ई जबलपुर की मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. शिवम एवं उनकी चिकित्सा टीम ने उपस्थित लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया तथा निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल बिजेंद्र सिंह, स्टेशन सेल, एमबी एरिया, जबलपुर भी उपस्थित रहे। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी तथा अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि ई सी एच एस मोबाइल मेडिकल यूनिट की सुविधा जिले में मिलने से भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

सेफ क्लिक 2.0 के छठवें दिन सिवनी पुलिस पहुंची स्वास्थ्य व लोक सेवा केंद्रों तक

एसपी कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन में गांव-स्कूल-अस्पताल में साइबर पाठशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशव्यापी 15 दिवसीय साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 के तहत सिवनी पुलिस का जनजागरूकता अभियान निरंतर गति से जारी है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में अभियान के छठवें दिवस पर विशेष फोकस स्वास्थ्य केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों एवं लोक सेवा केंद्रों पर रहा।

मुख्यालय टीम की विशेष गतिविधियाँ

साइबर नोडल टीम निरीक्षक श्री ओमेश्वर ठाकरे के नेतृत्व में मातृशक्ति संगठन व नेकी की राह, मार्गिक सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से आज निम्न कार्यक्रम आयोजित किए गए
1. ग्राम बोरदेई हाई स्कूलः छात्र-छात्राओं को सेफ क्लिक जागरूकता प्रशिक्षण।
2. हड्डी गोदामः मोहल्ला मीटिंग व जनसंवाद के माध्यम से साइबर सुरक्षा की जानकारी। 3. ग्राम पंचायत बोरदेईः साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों

को सतर्क किया गया। 4. थाना प्रभारी कोतवाली सतीश तिवारी द्वारा एवं स्टाफ के साथ जिला चिकित्सालय सिवनी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छिंदवाड़ा चौक में साइबर जागरूकता कार्यक्रम कर डॉक्टर, नर्स एवं आमजन को साइबर जागरूकता के बारे में बताया गया।

जिलेभर में व्यापक अभियान

जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारी गणों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, संजीवनी क्लीनिक, विद्यालयों, पंचायतों एवं लोक सेवा केंद्रों में पहुंचकर जनसंवाद, नुक्कड़ सभा, चर्चा एवं मोहल्ला मीटिंग के माध्यम से साइबर अपराधों के तरीके, बचाव के उपाय एवं शिकायत प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। आज जिले में कुल 31 कार्यक्रम साइबर जागरूकता के किए गए और 4900 व्यक्तियों को जागरूक किया गया।

पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विदाई समारोह का आयोजन, सेवानिवृत्त प्राध्यापकों को दी भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस), सिवनी में मंगलवार को सेवानिवृत्त हो रहे प्राध्यापकों के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिवार ने सेवाकाल पूर्ण करने वाले शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर डॉ. प्रतिमा गुप्ता, डॉ. ज्योत्सना नाबकर एवं डॉ. एम. एन. संधिया का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके लंबे सेवाकाल, अनुकरणीय कार्यशैली तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में दिए गए योगदान की प्रशंसा की। उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय जीवन की कामना की।
विदाई समारोह के दौरान महाविद्यालय परिवार ने सेवानिवृत्त प्राध्यापकों के साथ बिताए गए अनुभवों को साझा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। समारोह आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।

मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम में नशामुक्त समाज निर्माण का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश के सहयोग से वाल्मी संस्था द्वारा संचालित नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य समाज में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा प्रशिक्षित वालंटियर्स के माध्यम से प्रभावी जनसंदेश पहुंचाना था।
कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मकुमारी संस्थान की गीता दीदी, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के प्रभारी उप संचालक श्री संदीप परते, राज्य समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर डॉ. अतुल कुमार रायजादा तथा वाल्मी संस्था के श्री नीरज बंदेल द्वारा मां सरस्वती के

चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राज्य स्तरीय समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर डॉ. अतुल कुमार रायजादा ने कहा कि जिला स्तरीय वालंटियर्स में भारत को नशामुक्त बनाने की अद्भुत क्षमता है।
उन्होंने कहा कि अधिकांश युवा गलत संगत के कारण नशे की गिरफ्त में आते हैं और अक्सर इसकी शुरुआत मित्रों के माध्यम से होती है। इसलिए किशोर एवं युवावस्था में उचित मार्गदर्शन और सकारात्मक वातावरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है। ऐसे में प्रशिक्षित मास्टर वालंटियर्स समाज में जनजागरूकता फैलाकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में विभिन्न प्रकार के नशों, उनके शरीर एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाले दुष्प्रभावों तथा नशे की रोकथाम के प्रभावी उपायों की विस्तार से जानकारी दी गई।

सेक्ट कम्प्यूटर एकेडमी
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय भोपाल (म.प्र. शासन) से समबद्ध
शासकीय नौकरियों के लिए एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा अनिवार्य
कोर्स फीस किस्तों में भुगतान की सुविधा
DCA 1 वर्षीय डिप्लोमा 2 सेमेस्टर योग्यता 12 वी (किसी भी विषय में)
PGDCA 1 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा 2 सेमेस्टर योग्यता स्नातक (किसी भी विषय में)
BCA 3 वर्षीय स्नातक डिग्री 6 सेमेस्टर योग्यता 12 वी (किसी भी विषय में)
M.SC. (CS) 2 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री 4 सेमेस्टर योग्यता स्नातक (किसी भी विषय में)
LEARN GREAT SKILLS FOR A BETTER CAREER
प्रवेश प्रारंभ
C++ I JAVA | PYTHON / AD-EXCEL | FULL- STACK
एस.पी. बंगलो रोड, बारापत्थर, सिवनी (म.प्र.) संपर्क: 9183500282, 9183505478, 8821090909, 9993465882

प्रवेश प्रारंभ डी.पी. चतुर्वेदी विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा महाविद्यालय
College Code – P554 बारापत्थर, सिवनी (म.प्र.) NAAC Accredited
पाठ्यक्रम
B.Sc., B.Com., B.A., M.Sc. (Phy, Chem, Maths), M.Com, B.Ed., D.El.Ed., G.N.M.
नोट
Major, Minor, Vocstion, MDC पर कैरियर गाइडेंस
संपर्क 07692 .226635, 9479887990, 9098355136, 9752264388, 8770294939, 7746838590

राधिका टाउन फेस 2
बुकिंग प्रारंभ प्लाट उपलब्ध
ओपनिंग दिनांक 16 जून 2026
80%
ज्यारत नाका जिला-सिवनी
9407055151, 9183655151

स्कूल प्रबंधन द्वारा निर्धारित दुकानों से किताबें और ड्रेस खरीदने पालकों पर बना रहे दबाव, जनसुनवाई में हुई शिकायत

निजी शिक्षण संस्थान सरकारी आदेशों की उड़ा रहे धज्जियां

क्रिएटिव इंटरनेशनल स्कूल किन्ही का मामला

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

हर वर्ष शिक्षण संस्थानों के खुलने के पूर्व सरकार द्वारा स्कूली किताबों यूनिफॉर्म सहित शिक्षण शुल्क को लेकर गाइड लाइन जारी कर निजी शिक्षण संस्थानों को आदेश का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए जाते हैं और आदेश के उल्लंघन पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी जाती हैं लेकिन शासन की ये चेतावनी हर बार निजी शिक्षण संस्थानों के लिए महज कोरी भभकी बनकर रह जाती हैं और ये निजी शिक्षण संस्थान शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ाते रहते हैं।

ऐसा ही शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ाने का मामला खैरलांजी जनपद के किन्ही की निजी शिक्षण संस्थान क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी का सामने आया हैं जहाँ का प्रबंधन नियमों को ताक पर रखकर अपनी मनमानी चलाए जा रहा हैं।

जिसकी शिकायत मंगलवार को जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में शिकायतकर्ता भोरगढ़ निवासी अंकित बारेवार ने करते हुए स्कूल प्रबंधन पर सख्त कार्यवाही की मांग की हैं।

क्रिएटिव इंटरनेशनल स्कूल किन्ही की मनमानी

शिकायतकर्ता ने बताया कि क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी किन्ही के स्कूल प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों के अभिभावकों को प्रबंधन द्वारा निर्धारित की गई दुकानों से ही किताबें एवं ड्रेस खरीदने दबाव बनाया जा रहा हैं जो शासन द्वारा निर्धारित की गई गाइड लाइन के विपरीत हैं। जबकि उक्त स्कूलों की किताबें एवं स्कूल ड्रेस अन्य दुकानों पर किफायती दर पर उपलब्ध हैं बावजूद इसके स्कूल प्रबंधन द्वारा निर्धारित की गई खास दुकानों स ही किताबें और ड्रेस खरीदने दबाव बनाया जा रहा हैं । जिसके फलस्वरूप अभिभावकों को निर्धारित मूल्य से कहीं अधिक मूल्य पर अपने बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री खरीदनी पड़ रही हैं जिससे पालकों पर भी इस महंगाई के दौर में पालकों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा हैं

किताबें और ड्रेस के लिए निर्धारित की दुकानें

शिकायतकर्ता ने स्कूल प्रबंधन द्वारा वाट्सएप चैट पर अभिभावकों को भेजे गए मैसेज को भी उपलब्ध कराया हैं एक स्कूल शिक्षिका रीता मैडम द्वारा लिखा गया हैं कि स्कूल की किताबें शिवम जनरल स्टोर्स भोरगढ़ एवं स्कूल की ड्रेस खैरलांजी स्थित - विमल अपना बाजार से खरीदी जाए जिससे स्पष्ट होता हैं कि स्कूल प्रबंधन की इन दुकान संचालकों के साथ कुछ विशेष ही स्नेह जुड़ा हुआ है जिस वजह से विद्यार्थियों के अभिभावकों के ऊपर दबाव डाला जा रहा हैं।

सरकारी गाइड लाईन का प्रबंधन कर रहा हैं उल्लंघन

इतना ही नही शिकायतकर्ता ने बताया कि शासन की गाइड लाइन हैं कि बोर्ड कक्षाओं में प्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी की गई किताबों से ही विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएँगा लेकिन स्कूल प्रबंधन द्वारा इसकी भी खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए निजी पब्लिशर्स की किताबों से बच्चो को पढ़ाया जाता हैं और परीक्षा के एक एक डेढ़ माह पहले बच्चों को स्कूल शिक्षा विभाग की किताबों से पढ़ाया जाता हैं ऐसे में बच्चों की पढ़ाई पर भी विपरीत असर पड़ता हैं।

शिकायतकर्ता ने बताया कि स्कूल प्रबंधन की इस मनमानी से स्कूली किताबें और ड्रेस बेचने वाले विक्रेताओं के व्यसाय पर भी विपरीत असर पड़ रहा हैं। शिकायतकर्ता अंकित बारेवार ने जनसुनवाई में मांग की हैं कि उसकी शिकायत को गम्भीरता से लेकर मामले की विस्तृत जाँच कर स्कूल प्रबंधन पर शासन के आदेशों पर अमल ना करने पर सख्त कार्यवाही करें।

अच्छे कार्य करने वालों को नपा अध्यक्ष के हस्ते वितरित किए गए प्रमाण पत्र

नपा मलाजखंड में जल गंगा संवर्धन अभियान का किया गया समापन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। नगर पालिका परिषद मलाजखंड में 30 जून को 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का विधिवत समापन किया गया। अभियान के तहत शहर में जल स्त्रोतों के संरक्षण, तालाबों की साफ-सफाई और वर्षा जल संचयन को लेकर चलाए गए कार्यों की समीक्षा के साथ जन जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम नगर पालिका अध्यक्ष मानसिंह मेरावी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। समारोह की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन अध्यक्ष मानसिंह मेरावी द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि जल ही जीवन है और जल संकट से निपटने के लिए सामुदायिक भागीदारी अनिवार्य है। प्रदेश सरकार जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नपा अध्यक्ष मानसिंह मेरावी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन आंदोलन है। मलाजखंड में अभियान के दौरान नागरिकों, स्व-सहायता समूहों और नपा कर्मचारियों ने मिलकर तालाबों की गाद निकासी, घाटों की मरम्मत और जल संरचनाओं के रख-रखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आने वाले मानसून में वर्षा जल को अधिक से अधिक सहेजकर हम जल संकट को कम कर सकते हैं। जल का समझदारी से उपयोग करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। समारोह में सभापति ईश्वरदयाल मरकाम, सरला मेरावी, सभापति मधु सेन्दरे, बसंती मरकाम, वर्षा पटले, राजेंद्र राहंगडाले सहित पार्षदगण रमेश नागेश्वर, माया टेंभरे, शकुंतला ठाकरे, विजय सिंह राठौर, गीता अरमो, रूपा बघेल, योगेंद्र उइके, संजीदा खान, लीला अर्जुनवार, शंकु मेरावी, रोशनी राहंगडाले, मनोनीत पार्षद जानकी ठाकरे, सीएमओ दिनेश बाघमारे सहित अन्य लोग विशेष रूप से उपस्थित थे। नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। समापन अवसर पर अभियान में सराहनीय कार्य करने वाले स्व-सहायता समूहों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित समूहों में कैलाशी स्व-सहायता समूह, नीलकंठ स्व-सहायता समूह, राधा रानी स्व-सहायता समूह, कबीर स्व-सहायता समूह, बैगा स्व-सहायता समूह, जय मां लक्ष्मी स्व-सहायता समूह, सत्यनाम स्व-सहायता समूह, यादव स्व-सहायता समूह, उज्जवला ज्योति स्व-सहायता समूह और सिद्धार्थ स्व-सहायता समूह शामिल हैं। इन समूहों ने अभियान के दौरान मोहल्लों में जागरूकता रैली, स्वच्छता अभियान और जल बचत के संदेशों का प्रचार-प्रसार किया।

मौसम परिवर्तन के चलते आंगनबाड़ी केंद्रों के समय में बदलाव

बालाघाट। मौसम में आए परिवर्तन को देखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन समय में संशोधन किया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सुंद्रीयाल द्वारा मंगलवार 30 जून को इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गए हैं।जारी आदेश के अनुसार, ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए 22 अप्रैल 2026 से आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक किया जा रहा था। वर्तमान मौसमीय परिस्थितियों को देखते हुए इस आदेश में संशोधन कर अब सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन पूर्व निर्धारित समयानुसार प्रातः 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक किया जाएगा।नई समय-सारणी के अनुसार सुबह 9 बजे बच्चों के स्वागत एवं आंगनवाड़ी संचालन की शुरुआत होगी। इसके बाद शाला पूर्व शिक्षा, सामुदायिक गतिविधियां, पूरक पोषण आहार, स्वतंत्र एवं रचनात्मक खेल, भाषा एवं साक्षरता विकास, बाहरी खेल गतिविधियां तथा दोपहर में भोजन वितरण कराया जाएगा। दोपहर बाद थर्ड मील वितरण, पोषण परामर्श, वृद्धि निगरानी, किशोरी बालिका योजना अंतर्गत गतिविधियां, गृह भेंट एवं अन्य विभागीय कार्य संपादित किए जाएंगे। शाम 4 बजे तक रिकॉर्ड संधारण के साथ केंद्र का दैनिक कार्य पूर्ण होगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सुंद्रीयाल ने सभी परियोजना अधिकारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं संबंधित स्व-सहायता समूहों को संशोधित समय-सारणी का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

आज से 7 जुलाई की अवधि में बालाघाट जिले में भारी से अति भारी वर्षा का अलर्ट

बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 01 जुलाई से 07 जुलाई 2026 के दौरान मौसम अत्यंत सक्रिय रहने की संभावना है। इस अवधि में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भारी बादलों के साथ भारी से अति भारी वर्षा होने, आकाशीय बिजली गिरने, आंधी-तूफान आने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है।

जिला कृषि मौसम इकाई एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, बडगांव-बालाघाट के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस दौरान जिले का अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह के समय वायुमंडलीय आर्द्रता 96 से 99 प्रतिशत तथा दोपहर में 82 से 88 प्रतिशत तक रहने की संभावना है। वहीं, दक्षिण दिशा से लगभग 7 से 8 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव द्वारा किसानों को सलाह दी है कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए खेतों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था बनाए रखें तथा तेज वर्षा और आकाशीय बिजली के दौरान खेतों में कार्य करने से बचें। कृषि कार्यों की योजना मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही बनाएं। वहीं आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से खुले स्थानों में न जाएं तथा बिजली चमकने और तेज हवाओं के समय सुरक्षित स्थानों पर शरण लें।

सहकार से समृद्धि' के पांच स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने पर जिला सहकारी बैंक में हुआ सहकारी ध्वज वंदन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान ₹सहकार से समृद्धि₹ के पांच स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बालाघाट मुख्यालय सहित जिले की सभी बैंक शाखाओं एवं पैक्स समितियों में सहकारी ध्वज वंदन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्यालय में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अभिनव सिंह बघेल ने सहकारी ध्वज वंदन एवं वृक्षारोपण कर किया। इसके साथ ही जिले की सभी बैंक शाखाओं और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) में भी सहकारी ध्वज वंदन कर सहकारिता के प्रति समर्पण का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ श्री बघेल ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामूहिक विकास, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा और गति देने के लिए किए गए प्रयासों से किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा समाज के विभिन्न वर्गों को सशक्त बनाने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सहकारिता की भावना को और अधिक मजबूत करते हुए समृद्ध, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रबंधक लेखा पी. जोशी, राजेश नागपुरे, अशोक भवरे, सतीश कोरी, श्रीमती सीमा दुबे, श्रीमती लता गौतम, धनेंद्र कटरे, सारंग बिसेन, श्रीमती रोशनी बिसेन, श्रीमती राजनंदनी परिहार, आशीष खोबरागड़े, देवेंद्र बोपचे सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रसोइयों को वापस काम पर लिया जाए : विधायक मधु भाऊ भगत से लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

परसवाड़ा क्षेत्र के विधायक मधु भाऊ भगत को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए रसोइया वर्ग ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में कार्यरत मध्याह्न भोजन योजना की रसोइयों को हटाए जाने के आदेश को वापस लेने की मांग करते हुए उन्हें पुनः कार्य पर रखने की अपील की गई।

राष्ट्रीय मूलनिवासी बहुजन कर्मचारी संघ (आरएमबीकेएस) के बैनर तले सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि जिला पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) द्वारा जारी आदेश क्रमांक 4462/एसपीएमयू/2026 दिनांक 17 अप्रैल 2026 के तहत प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (मध्याह्न भोजन) योजना में छात्र संख्या के आधार पर बड़ी संख्या में रसोइयों को कार्य से हटा दिया गया है। इससे वर्षों से सेवा दे रही महिलाओं के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि पूर्व में मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी आदेश क्रमांक 1054/चार-3/2010 दिनांक 9 जून 2010 के अनुसार जिन विद्यालयों में 25 से 100 विद्यार्थियों तक की संख्या होती है, वहां दो रसोइयों की नियुक्ति का प्रावधान है। इसी व्यवस्था के तहत लंबे समय से रसोइयां अपनी सेवाएं दे रही थीं। लेकिन हाल ही में जारी आदेश के कारण अनेक रसोइयों को कार्यमुक्त कर दिया गया है, जिससे उनके परिवारों के समक्ष आर्थिक कठिनाइयां उत्पन्न हो गई हैं।

संघ के प्रदेश प्रभारी एवं अध्यक्ष देवराम पंचेश्वर ने ज्ञापन में बताया कि यदि हटाई गई रसोइयों को पुनः कार्य पर नहीं लिया गया तो आगामी समय में मध्याह्न भोजन योजना के संचालन में भी कठिनाइयां आ सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शासन स्तर से ऐसा कोई नया आदेश जारी नहीं हुआ है, जिसके आधार पर रसोइयों को हटाया जाए। केवल जिला पंचायत स्तर पर जारी आदेश के आधार पर यह कार्रवाई की गई है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है।

ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि जुलाई माह से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र से पहले सभी प्रभावित रसोइयों को पुनः कार्य पर बहाल किया जाए, ताकि विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन सुचारु रूप से हो सके तथा वर्षों से सेवा दे रही महिलाओं का रोजगार सुरक्षित रह सके।

विधायक मधु भाऊ भगत ने रसोइयों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि वे इस विषय को संबंधित अधिकारियों एवं शासन स्तर पर उठाकर उचित समाधान का प्रयास करेंगे। विधायक ने कहा कि किसी भी जरूरतमंद परिवार के रोजगार पर संकट नहीं आने दिया जाएगा और न्यायसंगत मांगों के निराकरण के लिए हरसंभव पहल की जाएगी।

रसोइया वर्ग ने उम्मीद जताई कि जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप से उन्हें शीघ्र न्याय मिलेगा और जिला पंचायत द्वारा जारी आदेश पर पुनर्विचार कर सभी प्रभावित रसोइयों को वापस काम पर लिया जाएगा।

शराबी पति को पत्नी ने खंभे से बांधा, मुंह को टेप लगाकर चिपकाया

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के बुढ़ी इलाके में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच पत्नी ने आंदोलन की जगह पर ही अपने शराबी पति को बिजली के खंभे से बांध दिया और चिल्लाने से रोकने के लिए उसके मुंह पर चौड़ा टेप चिपका दिया। इसका मंगलवार को वीडियो भी सामने आया है। घटना सोमवार की है।

दरअसल, यह महिला अपने पति की शराब पीने की लत से बेहद परेशान थी और खुद भी शराब दुकान को हटाने के लिए चल रहे महिलाओं के आंदोलन में शामिल थी। हद तो तब हो गई जब उसका पति शराब के नशे में धुत होकर आंदोलन की जगह पर पहुंच गया। वह वहां न सिर्फ तमाशा कर रहा था, बल्कि महिलाओं के साथ गाली-गलौज करते हुए आंदोलन को खराब करने की कोशिश कर रहा था। पति की इस हरकत से तंग आकर पत्नी का गुस्सा फूट पड़ा और उसने बाकी महिलाओं की मदद से उसे खंभे से बांध दिया। बाद में जब मौके पर पुलिस पहुंची, तब जाकर उस व्यक्ति को मुक्त कराया गया। बुढ़ी में शराब दुकान को रिहाइशी इलाके से दूर करने की मांग को लेकर महिलाएं बीती 13 अप्रैल से लगातार धरने पर बैठी हैं। उनकी साफ मांग है कि जैसे शहर की दूसरी शराब दुकानों को हटाया गया है, वैसे ही इस दुकान को भी यहाँ से बंद कर कहीं और शिफ्ट किया जाए। इस आंदोलन को स्थानीय समाजसेवियों के साथ-साथ सांसद, विधायक, आयोग के सदस्यों, नगरपालिका अध्यक्ष और पार्षदों तक का समर्थन मिल चुका है। इन सभी बड़े नेताओं ने दुकान हटाने का भरोसा तो दिया था, लेकिन आंदोलनकारी महिलाओं के लिए ये सारे आश्वासन अब तक सिर्फ कागजी वादे ही साबित हुए हैं।

आंदोलन में शामिल महिला मंजीता सोनवाने ने कहा कि नेताओं के खोखले आश्वासनों से अब काम नहीं चलेगा, उन्हें सिर्फ और सिर्फ शराब दुकान का ट्रांसफर चाहिए। उन्होंने साफ किया कि महिलाएं इतनी भीषण गर्मी में भी यहीं बैठी रहीं और अब बारिश का मौसम शुरू होने के बाद भी वे पीछे हटने वाली नहीं हैं। जब तक प्रशासन इस दुकान को यहां से हटा नहीं देता, तब तक उनका यह आंदोलन इसी तरह जारी रहेगा।

हिर्री के गणेश मंदिर के तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सम्मान कार्यक्रम हुआ आयोजित

हरिभूमि न्यूज किरनापुर। म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड किरनापुर के अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 01 किरनापुर में दिनांक 29/ 06 /2026 दिनांक सोमवार गणेश तालाब मंदिर ग्राम हिर्री मे जल गंगा संवर्धन अभियान सम्मान कार्यक्रम के आज अध्यक्ष ता श्रीमति विनीता राजेश पाराशर ग्राम पंचायत हिर्री के सरपंच महोदय मुख्य अतिथि श्री कल्याण सिंह राणा जनपद अध्यक्ष किरनापुर विशेष अतिथि सतं श्री खोबरागडे श्रीमति रुचिका वैध विकास खण्ड समन्वयक एवं समस्त नवाकुर संस्था पभा री श्री बी• सी. मडलवार 'दिनेश चोरलेले ,महेश पटले,श्रीमति सविता बोपच, एवं मेटस श्रीजितेद मात्रे,विकास ऐडे,अनिल बोपच, पफुटनसमिति के समस्त अध्यक्ष सचिव गण सभी वरिष्ठ नगरीकरण सभी लोग इस कार्यक्रम में सम्मिलित थे। विकासखंड समन्वय अधिकारी ने जल गंगा संवर्धन की समापन के शुभ अवसर पर संपूर्ण जानकारियां दिअतिथियों जनमानस के बीच में जल सोत्रत तथा सवर्धन पर विस्तार से संपूर्ण जानकारी प्रदान की इसके पश्चात किरनापुर के जनपद अध्यक्ष श्री कल्याण सिंह राणा जी द्वारा जल रोको जल जलबचाव ।के संबंध में पूरी जानकारी प्रदान की गई तथा जल ही जीवन है इस संबंध में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की बी सी मंगलवार जी द्वारा आए हुए अतिथियों का आभार एवं वंदन किया गया इस कार्यक्रम के पश्चात वृक्षपौधे लगाए गये। एव सुरक्षित रखने की जानकारी प्रदान की गई।

वारासिवनी में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई : रूसिया कृषि केंद्र में एक्सपायरी डेट के कीटनाशक मिले, जब्त कर की जाएगी नष्ट

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। किसानों के साथ धोखाधड़ी रोकने और कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 29 जून को वारासिवनी में प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई की है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल के नेतृत्व में राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने नगर के प्रमुख 'रूसिया कृषि केंद्र' का औचक निरीक्षण किया।

अनियमितता पाए जाने पर सख्त रुख: निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक टीम ने कृषि केंद्र में उपलब्ध धान के बीज, विभिन्न कीटनाशकों के स्टॉक पंजी (रजिस्टर), व्यवसायिक लाइसेंस और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान केंद्र में कुछ कीटनाशक ऐसे पाए गए जिनकी 'एक्सपायरी डेट' (समाप्ति तिथि) निकल चुकी थी।

प्रशासन ने इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए तत्काल प्रभाव से सभी एक्सपायरी कीटनाशकों को जब्त कर लिया है। टीम ने स्पष्ट किया है कि किसानों के स्वास्थ्य और फसल की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने जानकारी दी कि जब्त किए गए कीट नाशकों को नियमानुसार नष्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए कृषि विभाग को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं। इस औचक निरीक्षण कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक टीम में प्रमुख रूप से एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, तहसीलदार सुरेश उपाध्याय, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती प्रतिभा टेंभरे उपस्थित रहे। इसके अलावा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की टीम भी निरीक्षण प्रक्रिया में पूरी तरह शामिल रही।

प्रशासन ने इस कार्रवाई के माध्यम से सभी कृषि विक्रेताओं को सख्त चेतावनी दी है कि वे निर्धारित मानकों का पालन करें और एक्सपायरी सामग्री का विक्रय कतई न करें। साथ की ही, किसानों से भी अपील की गई है कि वे कीटनाशक या खाद खरीदते समय हमेशा एक्सपायरी डेट जरूर जांचें और पक्का बिल अवश्य प्राप्त करें। इस कार्रवाई से कृषि आदान विक्रेताओं में हड़कंप मच गया है और भविष्य में इस प्रकार की और भी जांच की संभावना जताई जा रही है।